हरिद्वार कुम्भ में सन्तों का विराट सम्मेलन

- **श्रीराम के जन्मस्थान पर वहीं भव्य मन्दिर बनाने का संकल्प**
- **गंगा की धारा अविरल और निर्मल बनाए रखने का अभियान**
- **गोरक्षा के लिए देशव्यापी कार्य–योजना**

दिनांक 6 अप्रैल मंगलवार गंगा जी के तट पर हरिद्वार में श्री निर्वाणी अनी अखाड़ा में परमपूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य श्री स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती जी महाराज की अध्यक्षता में 15 हजार से अधिक सन्तों का एक विराट सन्त सम्मेलन सम्पन्न हुआ।

इस सम्मेलन में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पूज्य महंत ज्ञानदास जी महाराज, जूना अखाड़ा के आचार्य पूजनीय अवधेशानन्दगिरि जी महाराज, निर्मल अखाड़ा के पूज्य जगतसिंह जी महाराज, निरंजनी अखाड़ा के श्री महंत रामानन्दपुरी जी महाराज, दिगम्बर अखाड़ा अनी के महंत केशवदास जी महाराज, श्रीराम जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष श्री महंत नृत्यगोपालदास जी महाराज, पू0 स्वामी चिन्मयानन्द जी महाराज, डॉ0 रामबिलासदास वेदान्ती जी महाराज, सन्त समिति के आचार्य अविचलदास जी महाराज, असम के सत्राधिकार आदि पूज्य सन्तों ने भाग लिया।

सन्तों के इस सम्मेलन में विश्व हिन्दू परिषद के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक जी सिंहल ने प्रस्तावना रखते हुए घोषणा की कि श्रीराम के जन्मस्थान पर मन्दिर बनाने के लिए हम संकल्पबद्ध हैं। श्रीराम जन्मभूमि को वोट का विषय न बनाया जाए। राजनीतिक विचारों से ऊपर उठकर सब श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर निर्माण के कार्य में सहयोग करें। गंगा नदी पर जितने बांध बनाने की योजनाएं हैं, वे सभी बांध बनाने की योजनाएं समाप्त की जाए। गंगा की धारा अविरल और निर्मल बनाई रखी जाए। इस देश में हजारों गायों की हत्या हो रही है। गोहत्या बन्दी का केन्द्रीय कानून बनाकर गोवंश एवं देश की परम्परागत कृषि की रक्षा की जाए।

अखाड़ा परिषद के अखिल भारतीय अध्यक्ष महंत ज्ञानदास जी महाराज ने घोषणा की कि गंगा नदी के संदर्भ में बांध स्थगित करने के मुद्दे पर केन्द्र सरकार ने हमें झूठा आश्वासन दिया है। यदि सरकार तत्काल सभी बांध निरस्त करने की घोषणा नहीं करती है तो दिनांक 9 अप्रैल, 2010 को दो घण्टे के लिए कुम्भ में सभी कैम्पों की गतिविधियाँ (पूजा–अर्चन को छोड़कर) स्थगित की जाएगी।

आचार्य महामण्डलेश्वर अवधेशानन्दगिरि जी महाराज ने गंगा की रक्षा के लिए देश की जनता को आगे आने का आह्वान किया। निर्मल अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर जगतदेव सिंह जी ने धर्म की रक्षा के लिए गुरु के बलिदानों को याद करते हुए किसी भी किमत पर गोरक्षा करने के लिए जनता को आगे आने का आह्वान किया।